[श्री केशव प्रसाद शुक्ल]

तेल प्राप्त होता है । मध्य प्रदेश की 80 प्रतिशत जनता गांवों में बसती है और उनकी प्रकाश एवं ईंधन की जरूरत पूरी करने के लिए मिट्टी का तेल ही एकमात्र साधन है । वैध एवं अवैध तरीकों से जंगलों की कटाई पर यदि रोक लगाई जानी है तो ग्रामवासियों को मिट्टी का तेल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है ।

इस समय मध्य प्रदेश में केवल छः लाख उन्नीस हजार गैस कनेक्शन उपलब्ध हैं जो कि प्रदेश के 80 शहरों तक ही सीमित हैं । अतः ग्रामवासियों को जब तक गैस कनेक्शन काफी तादाद में उपलब्ध नहीं कराये जाते तब तक मिट्टी के तेल पर ही खाना पकाने के लिए निर्भर रहना पड़ेगा । शहरों में भी काफी अधिक मात्रा में मिट्टी के तेल की आवश्यकता अनिवार्य रूप से पड़ती है । गैस कनेक्शन वहां उपलब्ध हैं । वस्तुस्थिति यह है कि इस प्रदेश में गैस के सिलेण्डर होने के बावजूद उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध नहीं होने के कारण आवश्यकतानुसार मिट्टी के तेल का ही सहारा ईंधन के रूप में अनिवार्यतः लेना पड़ता है । प्रकाश व्यवस्था के लिए भी मिट्टी के तेल का ही उपयोग ग्रामवासियों को करना अनिवार्य है । मध्य प्रदेश में 76 हजार गांवों में से अभी तक लगभग 67 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंचा है । मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र जिसमें लगभग 80 लाख परिवार रहते हैं, उनकी आवश्यकता 24 हजार किलोलीटर आंकी गई है । इस प्रकार 40,000 किलोलीटर मिट्टी तेल की न्यूनतम आवश्यकता प्रदेश में अनुभव की जा रही है ।

अतः मैं लोक महत्व के इस विषय की ओर इस विशेष उल्लेख के माध्यम से भारत सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट कर निवेदन करता हूं कि मध्य प्रदेश को प्रति माह कम से कम 5000 (पांच हजार) मीटरिक टन खाद्य तेल तथा 40,000 (चालीस हजार) किलो लीटर मिट्टी का तेल उपलब्ध कराने की कृपा करें ।

Need to Include Bangalore in the list of National Cities

SHRI *R. S,* NAIK (Karnataka): Madam Deputy Chairman, I request the Government, through you, to declare Bangalore city as one of the national cities. Madam, the National Committee of Urbanisation has submitted its interim report classifying Delhi, Bombay, Calcutta and Madras as national cities. The criteria evolved by the Committee for determining national cities are not comprehensive and proper. It is an open fact that Bangalore city is one of the most beautiful and finest cities in the country. It stands second in India so far as area is concerned. It stands fourth in India so far as population is concerned. It is tht fifth largest city in India which the Committee has neglected. It is a city with a magical charm, with clean avenues and lovely, big, gardens. Madam, it is regarded as the 'garden city' of India. That is why Bangalore was selected by the Government of India as the venue for the last SAARC meeting. Therefore, I request the Government of India to include Bangalore city in the list of national cities and to extend financial assistance to develop the city of Bangalore. It is surprising and unfortunate to find how this city has been eliminated from the list of national cities. Really Bangalore city is the pride and prestige of our nation. Many people from all over India including dignitaries want to go to Bangalore and settle there because Bangalore is a metropolis where people of different castes and creeds, regions and religions and languages live in harmony. Central Government undertakings like the Indian Telephone Industry, Hindustan Machine Tools, Bharat Electronics Limited, Central Machine Tools and Hindustan Aeronautics Limited are there. These industries are also contributing to the national economy. I, therefore, request the Government through you, Madam Deputy Chairman, to declare Bangalore city as a national city. Thank you.

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : मैं इसका समर्थन करता हूं और चाहता हूं कि सरकार इस पर विचार करें ।

Appointment of IAS Officers as Managing-Directors of Public Sector Units

डा० बापू कालदते (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदया, इस स्पेशल मेंशन के द्वारा मैं सार्वजनिक उपक्रमों में जो भी गलतियां हुई हैं उसकी तरफ आपके माध्यम से उद्योग मंत्री का ध्यान खींचना चाहता हूं । महोदया, आप जानती हैं कि सरकारी उपक्रमों में जो घाटा आता है, इसके लिए जो भी कारण बताये जाते हैं इनमें सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कारण यह बताया जाता है कि सार्वजनिक उपक्रमों का व्यवस्थापन गैर-पेशेवाराना लोगों के हाथ में है, नान-प्रोफेशनल मैनेजमेंट और हमने देखा है कि सरकार के जो भी आई० ए० एस० लोग हैं, मैं तो मजाक में भी कहता हूं कि IAS are Mr. Know All. वह खुद को सब समझदार समझते हैं और यह उनके लिए कोई आवश्यक नहीं है कि वे किसी प्रोफेशन का ज्ञान रखें लेकिन Once he become an IAS, he is Mr. Know All. और यह हालत हो गई है कि पेशे वाराना व्यवस्थापन ऐसेउपक्रमों में लगाने के बजाय सरकार जहां भी इनकी आवश्यकता होती है वहां आई० ए० एस० लोगों को भेजने का प्रयास करती है । मैं स्वयं 'कोपू' का चेयरमैन रहा हूं और मुझे मालूम है कि उत्तर प्रदेश में एक साल में 52 कारपोरेशन खड़े हो गये और Then it becomes an old boys' club of IAS officers because there is no responsibility on them.

लासेस हो जाते हैं तो वे वापस अपने डिपार्टमेंट में चले जाते हैं । गैर-जिम्मेदाराना व्यवस्थापन के कारण ये लासेस होते हैं । वे भले ही अपने को जानकार समझते हों लेकिन इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना यवस्थापन रखने से जबसे ज्यादा लासेस होते हैं ऐसा मैं मानता हूं । आप जानती हैं कि जिन उपक्रमों को प्रोफेशनल मैनेजमेंट चलाता है, जैसे एच० एम० टी० है, वे ठीक चल रहे हैं । आई० ए० एस० आफिसर जहां जाते हैं दो-चार-पांच महीने में बदल जाते हैं यह देखने को प्रायः आता है कि वहां 6–6 महीने में आफीसर बदलते रहे, मैनेजिंग डाइरेक्टर बदलते रहे, चैयरमैन बदलते रहे इससे उपक्रम को बहुत नुकसान होता है । इसीलिए हम सरकार से बार बार यह कहते आये हैं कि पेशेवाराना व्यवस्थापन आपके लिए बहुत आवश्यक है । मैं इसलिए यह आपके ध्यान में ला रहा हूं क्योंकि अभी हाल ही में मैंने सुना है कि कलकत्ता में स्टनिस्ट्रीट स्मिथ फार्मास्यूटिकल नाम का जो सरकारी उपक्रम है, इस उपक्रम में नई सालों से लास आता रहा था और अब उसमें पेशेवाराना व्यवस्थापन लाया गया है मुनाफा होने लगा, लेकिन सरकार दबाव डालकर उन पेशेवराना लोगों को वहां से हटाकर वहां पर आई० ए० एस० आफिसरों को लाने का प्रयास कर रही है । आज कई जगहों पर प्रोफेशनल मैनेजमेंट को निकाल देने का प्रयास हो रहा है और ऐसा ही प्रयास इस कंपनी में भी हो रहा है ऐसी मेरी जानकारी है । इसलिए मेरी उद्योग मंत्री जी से प्रार्थना है कि इस उद्योग के संदर्भ में ही नहीं बल्कि सभी उद्योगों के संदर्भ में यह बात उन्हें ध्यान में रखनी चाहिए कि अगर ऐसे उपक्रमों को ठीक ढंग से चलाना है तो पेशेवाराना व्यवस्थापन की अच्छी जानकारी रखते हैं, मार्केटिंग की, रा-मैटीरियल की, प्रोडक्शन की, ऐसे लोगों को वहां पर लायें और वे उस उपक्रम को चलायें । इस कम्पनी की व्यवस्था में सरकार आई ए० एस० आफिसरों को लाने की और प्रोफेशनल लोगों को हटाने का जो प्रयास कर रही है उसकी तरफ मैं मंत्री जी का ध्यान खींचना चाहता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ऐसा न हो इस दृष्टि से वे प्रयास करें ।

Hardships Caused to farmers due to Falling Water-Level in Many Areas

श्री सत्य पाल मलिक (उत्तर प्रदेश): माननीया, सारे देश के बहुत से हिस्सों में जमीन के नीचे के पानी का स्तर बहुत तेजी से गिर रहा है । गुजरात,